Course — BA Education Hons, Part II
paper — Educational Psychology & Pedagogy (III)
Topic — Educational Psychology: concept, Nature & objective
prepared by — Dr. Sangeeta Kumari

इकाई : 1 — शिक्षा मनोविज्ञान : संप्रत्यय, स्वरूप एवं उद्देश्य
unit 1 : — Educational Psychology: concept, Nature & objective

1.1 शिक्षा मनोविज्ञान की संकल्पना (concept of Educational Psychology)

शिक्षा से संबद्ध मनोविज्ञान को ही शिक्षा मनोविज्ञान कहते हैं। मनोविज्ञान की कई शाखाएँ हैं जिनमें शिक्षा मनोविज्ञान भी एक शाखा है। इस शाखा का सम्बन्ध शैक्षिक प्रक्रियाओं से है।

स्किनर (Skinner, 1990) के अनुसार,
"शिक्षा मनोविज्ञान, मनोविज्ञान की वह शाखा है जो सीखने सिखाने की प्रक्रिया का अध्ययन करती है।"

चैपलिन (Chaplin 1975) के शब्दों में,
"शिक्षा मनोविज्ञान का तात्पर्य शिक्षा के क्षेत्र में मनोवैज्ञानिक समस्याओं के अन्वेषण तथा इन समस्याओं के समाधान हेतु औपचारिक विधियों के उपयोग से है।"

रेबर तथा रेबर (Reber and Reber, 2001) के अनुसार,
"शिक्षा मनोविज्ञान, मनोविज्ञान की वह शाखा है जिसका सम्बन्ध शिक्षा में सिद्धान्तों तथा समस्याओं से है।"

शिक्षा मनोविज्ञान की समग्र तथा संतोषप्रद परिभाषा निम्न है—

"शिक्षा मनोविज्ञान व्यावहारिक मनोविज्ञान का एक रूप है जो मापन विधियों, विश्लेषण तथा निरीक्षण द्वारा व्यक्ति की मानसिक, शारीरिक तथा आध्यात्मिक क्षमताओं को निर्धारित करता है और प्राप्त अनुसंधानों के आधार पर व्यक्ति की समुचित शिक्षा के लिए संकेत और सलाह देता है।"

Scanned with CamScanner

1.2 शिक्षा मनोविज्ञान का स्वरूप (Nature of Educational Psychology)

शिक्षा मनोविज्ञान के स्वरूप को निम्न भागों में विभाजित किया जा सकता है:-

1) शिक्षा मनोविज्ञान एक व्यवहारपरक विज्ञान है:-

मनोविज्ञान के दो मुख्य प्रकार हैं— i) सैद्धांतिक मनोविज्ञान तथा व्यावहारिक मनोविज्ञान। सैद्धान्तिक मनोविज्ञान का अर्थ मनोविज्ञान की उस शाखा से है जो व्यक्ति और जीवों के अनुभव एवं व्यवहार का अध्ययन करके सामान्य नियमों का निर्माण करता है। सामान्य मनोविज्ञान, असामान्य मनोविज्ञान तथा बाल-मनोविज्ञान आदि की गणना इसी शाखा में होती है। दूसरी ओर, व्यावहारिक मनोविज्ञान उस शाखा को कहते हैं, जो सैद्धांतिक मनोविज्ञान द्वारा बनाए गए नियमों का उपयोग जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सफलता या उपयोगिता के लिए करती है। शिक्षा मनोविज्ञान, औद्योगिक मनोविज्ञान आदि की गणना इसी शाखा के अन्तर्गत होती है।

(2) शिक्षा मनोविज्ञान एक समर्थक विज्ञान है:-

विज्ञान के मुख्य दो प्रकार हैं — ① समर्थक विज्ञान तथा ② आदर्श सूचक विज्ञान। समर्थक विज्ञान उस विज्ञान को कहते हैं, जो किसी विषय का अध्ययन उसी रूप में करता है, जिस रूप में वह होता है। इसके विपरीत आदर्श-सूचक विज्ञान उस विज्ञान को कहते हैं जो किसी विषय का अध्ययन उस रूप में करता है, जिस रूप में उसे होना चाहिए। अतः शिक्षा मनोविज्ञान वास्तव में एक समर्थक विज्ञान है।

(3) शिक्षा मनोविज्ञान एक सामाजिक विज्ञान है:-

समाज विज्ञान तथा मानव विज्ञान की तरह शिक्षा-मनोविज्ञान भी मानव का अध्ययन करता है तथा बालक के समाजीकरण के विभिन्न पक्षों का आकलन करता है तथा उसको उन्नत बनाने के उपायों का उल्लेख करता है।

(4) शिक्षा मनोविज्ञान का सम्बन्ध बालक के मानसिक विकास से है:-

शिक्षा मनोविज्ञान मानव के मानसिक विकास के विभिन्न पक्षों का अध्ययन करने वाला विज्ञान है।

Scanned with CamScanner

(5) शिक्षा मनोविज्ञान बालक के शारीरिक विकास से सम्बन्ध रखता है

शिक्षा मनोविज्ञान मानव के शारीरिक विकास का अध्ययन करने वाला विज्ञान है। बालकों के शारीरिक विकास को प्रभावित करने वाले कारकों पर यह विज्ञान प्रकाश डालता है तथा इसके समुचित विकास का सुझाव देता है।

(6) शिक्षा मनोविज्ञान बालक के संवेगात्मक विकास से सम्बन्ध रखता है :-

शिक्षा मनोविज्ञान एक ऐसा विज्ञान है जो मानव के संवेगात्मक विकास के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करता है

(7) शिक्षा मनोविज्ञान बालक के नैतिक तथा आध्यात्मिक विकास से सम्बन्ध रखता है :-

शिक्षा मनोविज्ञान एक ऐसा विज्ञान है जो मानव के नैतिक तथा आध्यात्मिक विकास का अध्ययन करता है तथा इसके समुचित विकास का मार्गदर्शन भी करता है।

(8) शिक्षण तथा अध्यापन का विज्ञान है :-

शिक्षा मनोविज्ञान में शिक्षण तथा अध्यापन के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया जाता है। सीखने के अर्थ, इसके प्रकार, इसके सिद्धान्त, प्रभावशाली शिक्षण के निर्धारक आदि का अध्ययन यह मनोविज्ञान करता है।

(9) शिक्षा मनोविज्ञान बालक के सामाजिक विकास से सम्बन्ध रखता है :-

शिक्षा मनोविज्ञान वह विज्ञान है जो मानव के सामाजिक विकास का अध्ययन करता है। बच्चे सामाजिक और असामाजिक कैसे और क्यों बन जाते हैं, उन्हें सामाजिक मानव कैसे बनाया जा सकता है, इन सारी बातों का अध्ययन यह मनोविज्ञान करता है।

(10) शिक्षा मनोविज्ञान एक बढ़ता हुआ विज्ञान है :-

शिक्षा मनोविज्ञान वास्तव में एक ऐसा विज्ञान है जिसका क्षेत्र निरंतर बढ़ता जा रहा है। इसका सम्बन्ध नए शोधों से है। इसके क्षेत्र के अन्तर्गत लगातार नए-नए शोध हो रहे हैं और जैसे-जैसे शोधों के परिणाम उपलब्ध होते जा रहे हैं, शिक्षा-मनोविज्ञान की पुस्तक बालक के स्वरूप को समझने में बढ़ती जा रही है।

Scanned with CamScanner

1.3 शिक्षा मनोविज्ञान के उद्देश्य : (Objective of Education Psychology)

शिक्षा मनोविज्ञान के विभिन्न उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

(1) अध्यापक की सहायता करना (To help the teacher) :-

शिक्षा मनोविज्ञान का एक प्रधान उद्देश्य शिक्षण को सफल बनाने में शिक्षक की सहायता करना है। शिक्षक को बालकों की मानसिक योग्यताओं को समझने तथा तदनुसार शिक्षा की व्यवस्था करने में सहायता देना। शिक्षक को बालकों की अभिरुचि तथा मनोवृत्ति की जानकारी दिलाना। बालकों के व्यवहारों तथा उपलब्धियों को बिना भेद-भाव के देखना। विद्यार्थियों की कमजोरियों तथा असफलताओं को समझने तथा उनके उपचार की दिशा में शिक्षक का मार्गदर्शन करना।

(2) उचित अध्यापन विधि प्रस्तुत करना (To provide proper teaching method) :-

शिक्षा की सफलता बहुत अंशों में अध्यापन विधि पर निर्भर करती है। इसीलिए शिक्षा मनोविज्ञान का उद्देश्य है उचित शिक्षण-विधि को प्रस्तुत करना।

(3) उचित पाठ्यक्रम प्रस्तुत करना (To provide proper curriculum) :-

शिक्षा-मनोविज्ञान का उद्देश्य बालकों की मानसिक तथा शारीरिक तत्परता, व्यक्तिगत आवश्यकता तथा सामाजिक आकांक्षा के अनुकूल पाठ्यक्रम प्रस्तुत करना है। पाठ्यक्रम की रचना करते समय विद्यार्थियों की मानसिक योग्यता के साथ-साथ अभिरुचि तथा मनोवृत्ति को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

(4) शैक्षिक निर्देशन देना (To impart educational guidance) :-

शिक्षार्थियों को शिक्षा-सम्बन्धी निर्देशन देना भी शिक्षा-मनोविज्ञान का एक मुख्य पहलू है। बालकों की शिक्षा तभी सफल हो सकती है जब शिक्षा की व्यवस्था उनकी मानसिक योग्यता, अभिरुचि आदि के अनुकूल हो। शिक्षा-मनोविज्ञान बालकों को सही दिशा में निर्देशन देता है।

(5) व्यावसायिक निर्देशन देना (To impart vocational guidance) :-

जिस प्रकार सभी व्यक्तियों के लिए सभी कार्य या व्यवसाय उचित नहीं होते, उसी तरह

Scanned with CamScanner

सभी व्यवसाय के लिए सभी व्यक्ति उपयुक्त नहीं होते। अतः कार्य-सन्तुष्टि प्राप्त करने हेतु, उचित व्यवसाय के लिए उचित व्यक्ति का चुनाव आवश्यक है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए शिक्षा मनोविज्ञान बालकों को उचित व्यवसाय का निर्देशन देता है।

(6) शारीरिक शिक्षा देना (To impart physical education)

बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करना भी शिक्षा मनोविज्ञान का उद्देश्य है।

(7) मूल्यांकन की उचित विधि प्रस्तुत करना (To provide proper method of evaluation)

शिक्षा मनोविज्ञान का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य विद्यार्थियों की मानसिक योग्यताओं के साथ-साथ शैक्षिक उपलब्धियों का मूल्यांकन करना तथा तदनुसार शिक्षा व्यवस्था में सहायता करना है।

(8) अधिकारियों का मार्गदर्शन करना (To guide the administrators)

शिक्षा मनोविज्ञान विद्यालय से सम्बद्ध अधिकारियों की शैक्षिक परिस्थितियों के संगठन तथा निरीक्षण में सहायता देता है।

(9) अभिभावकों का मार्गदर्शन करना (To guide the guardians)

बालकों की शिक्षा की सफलता बहुत अंशों में उनके अभिभावकों पर निर्भर करती है। अभिभावक को अपने बालक की मानसिक योग्यता, अभिरुचि तथा रुझान का ज्ञान होना चाहिए तथा वे तदनुसार शिक्षा की व्यवस्था में शिक्षक की सलाह पर अमल कर सकें। उन्हें अपने बालक की शैक्षिक उपलब्धि तथा प्रगति का भी ज्ञान होना चाहिए।

(10) सर्वांगीण व्यक्तित्व को विकसित करना (To develop wholesome pessonality)

शिक्षा मनोविज्ञान का प्रधान उद्देश्य सर्वांगीण व्यक्तित्व को विकसित करना है। मानसिक, शारीरिक तथा नैतिक पक्षों के अनुरूप विकास के बाद ही ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण होता है जो व्यक्ति तथा समाज दोनों के लिए हितकर होता है।

Scanned with CamScanner

1.4: अभ्यास के प्रश्न (Questions for Exercise)

Q1) Define educational Psychology. Describe the nature of educational psychology.

~~परिभाषित~~ शिक्षा-मनोविज्ञान को परिभाषित कीजिए। शिक्षा-मनोविज्ञान के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Q2) Describe the objective of educational Psychology.
शिक्षा-मनोविज्ञान के उद्देश्य का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner